भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2081

गुरुवार, 4 जुलाई, 2019/13 आषाढ़, 1941 (शक)

राजमार्गों को चार/छह/आठ लेनों में परिवर्तित करना

2081. श्री बी. वाई. राघवेन्द्रः

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विभिन्न राज्य सरकारों से राजमार्गों को चार/छह/आठ लेनों में परिवर्तित करने हेतु प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान राज्य-वार कितने प्रस्तावों को स्वीकृति दी-गई है;

(ख) कर्नाटक सहित राज्य-वार चार/छह/आठ लेनों में परिवर्तित किए जा रहे राष्ट्रीय राजमार्गों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत और वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क): यह मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (रारा) के विकास और अनुरक्षण के लिए जिम्मेदार है। मंत्रालय को विभिन्न राज्य सरकारों से राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के प्रस्ताव प्राप्त होते रहते हैं। विभिन्न राज्यों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास / उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है तथा इसके लिए समय-समय पर पारस्परिक प्राथमिकता, यातायात घनत्व और निधियों की उपलब्धता के आधार पर परियोजनाएं शुरू की जाती हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान, पूरे देश में लगभग 7,440 किमी की कुल लंबाई को चार / छह / आठ लेन में विकसित किया गया; जिसमें से लगभग 550 किमी का निर्माण कर्नाटक राज्य में किया गया था।

(ख) और (ग): वर्तमान में, विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर 6,06,963 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से लगभग 52,840 किमी लंबाई में उन्नयन कार्य किया गया है; जिसमें से 30,940 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 3,325 किलोमीटर लंबाई का काम कर्नाटक राज्य में किया गया है।

******